समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा 231000 पार

आज ही के दिन 2011 में देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के झवेरी बाजार ओपेरा हाउस और दादर में बम विस्फोट हुए थे।

क्यूआर कोड स्कैन कर पहुंचे दैनिक भास्कर पर

dainikbhaskarup.com

देश का विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी: बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम प्रतिदिन तरक्की की ओर अग्रसर हो रही है

भास्कर न्यूज ब्यूरो

गुरुग्राम। मंगलवार को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुड़गांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुड़गांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा। बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में 'गुरु' शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें 'गुरु' बनाना पड़ा। अत: हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को 'बुद्धिहीन' बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत में 'गुरु' शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे।

लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अत: 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फ्लावर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रातः सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई। बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएं तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें।

कई आज के युवा ये नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। अत: हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार पोशाक व अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए।

मुद्रक व प्रकाशक अशोक निर्वाण द्वारा विवेक पब्लिशर्स ए- 16 सेक्टर-7 नोएडा 201301 से मुद्रित एवं जे-2 बिशनपुरा सैक्टर, 58 नोएडा (उ0प्र0) से प्रकाशित, सम्पादक अशोक निर्वाण* (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी*)। समस्त विवाद नोएडा
3190, संपादकीय कार्यालय: 29, आरडीसी राजनगर निकट जिला न्यायालय व जिला जिलाधिकारी कार्यालय गाजियाबाद-201002 उत्तरप्रदेश, ई-मेल: nirwanjournalist.nirwan7@gmail.com, bhaskarnoidaadvertisement@gmail.com मो. 9711991712, लैंडलाइन +911203166405

PIC•COLLAGE

उत्तर भारत का सम्पूर्ण समाचारपत्र

ऑनलाइन संस्करण
www.dainiktribuneonline.com

दैनिक ट्रिब्यून

श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ

'अपनी सभ्यता, संस्कृति से विमुख न हो युवा पीढ़ी'

गुरुग्राम, 12 जुलाई (हप्र)

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संस्कारों की शिक्षा देते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों, तीज-त्योहारों, ग्रंथों से जुड़ा रहना चाहिए। विमुख नहीं होना चाहिए। हमारी सनातन संस्कृति सबसे बेहतर है। भक्ति भाव रखकर हमें अपने आपको धर्म-कर्म से जोड़कर रखना चाहिए।

यह बात उन्होंने श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन के दौरान कही।

हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया।

गुरुग्राम में बुधवार को सेक्टर -56 में हनुमान चालीसा पाठ के दौरान भक्तों के बीच झूमते हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी। - हप

यहां के अलावा जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज-1 में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब तक हनुमान चालीस पाठ की कुल संख्या 2 लाख 32 हजार 965 पार कर गई। आयोजन में ओमप्रकाश कथूरिया डा. परमेश्वर अरोड़ा ने भी इसमें शिरकत की। सुरेंद्र कुमार खुल्लर, गजेंद्र गोंसाईं ने चालीसा का संगीतमयी पाठ किया।

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना हुई 2 लाख 31 हजार के पार

गुड़गांव, 12 जुलाई (ब्यूरो): श्री नातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे र्व भी नए ड़गांव में ही ीएलएफ फेज 1 ौर सुशांत लोक इस प्रकार का ायोजन हो चुका । 15 दिन बाद क्टर 15, रुग्राम जो नए ड़गांव का हिस्सा , में इसका ायोजन किया जाएगा।

हनुमान चालीसा का पाठ करते श्रद्धालु।

बोध राज सीकरी के अनुसार नुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण थ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु" शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें "गुरु" बनाना पड़ा। अत: हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को "बुद्धिहीन" बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म कर दिए। सीकरी ने उपस्थित युवा पी को अपने संस्कार, अपनी सभ्य अपने त्योहार व अपने ग्र से दूर न रहने की सलाह 175 लोगों ने 22 बार हनुमान चालीसा के पाठ पठन किया। उसके अतिरि जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट अ कैलाश में 40 लोगों ने 5 बार पाठ किया और फ्ला पार्क सुशान्त लोक फेज 1 प्रात: सैर करने वाले ग्रुप 20 लोगों ने 5-5 बार प किया। कल के पाठ की कु संख्या 4150 थी। पिछले मंगल तक 228815 पाठ हो चुके थे अ कल के पाठ की संख्या को सम्मिल करने के बाद यह संख्या 2329 पार कर गई।

अमर भारती
एक उम्मीद

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 231000 हुई पार

▶ बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम प्रतिदिन तरक्की की ओर अग्रसर हो रही है

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। कल मंगलवार 12 तारीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुड़गांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुड़गांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा। बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में ह्लगुरुह्व शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मयार्दा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें ह्लगुरुह्व बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को ह्लबुद्धिहीनह्व बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत मे ह्लगुरुह्व शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे।बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रातः सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी।

www.gurgaontoday.in
गुड़गांव टुडे

अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों से जुड़ी रही युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

- **हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी।**
- **हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 231000 हुई पार।**
- **किसी भी कीमत पर अपनी संस्कृति से विमुख नहीं होना चाहिए।**

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संस्कारों की शिक्षा देते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों, तीज-त्योहारों, ग्रंथों से जुड़ा रहना चाहिए। विमुख नहीं होना चाहिए। हमारी सनातन संस्कृति सबसे बेहतर है। भक्ति भाव रखकर हमें अपने आपको धर्म-कर्म से जोड़कर रखना चाहिए। यह बात उन्होंने श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि हमें अपने धर्म की रक्षा करनी चाहिए। जब हम धर्म की रक्षा करेंगे, तभी धर्म भी हमारी रक्षा करेगा। इस कहावत को कभी नहीं भूलना चाहिए कि धर्मो रक्षति रक्षित:। कार्यक्रम में बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधुओं से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएं तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा यह नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए।

हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। यहां के अलावा जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज-1 में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब तक हनुमान चालीस पाठ की कुल संख्या 2 लाख 32 हजार 965 पार कर गई। बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है, जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु शब्द आता है। संत तुलसीदास हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। इस आयोजन में ओमप्रकाश कथूरिया, डा. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, किशोरी डुडेजा, द्वारका नाथ मक्कड़, ओमप्रकाश गाबा, सतपाल नासा, रमेश मुंजाल, के.के अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, सरदाना, एम.डी कालरा, सुरेंद्र गुलाटी एडवोकेट, राजीव छाबड़ा, सतीश चावला, रमेश नरूला, अजय भार्गव, और संजय बिष्ट, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, रचना बजाज, पुष्पा नासा, बिमला अरोड़ा, मुंजाल उपस्थित रहे। सुरेंद्र कुमार खुल्लर, गजेंद्र गोंसाई ने चालीसा का संगीतमयी पाठ किया।

नये भारत का अखबार

गुड़गांव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए अधिकृत हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

गुरुग्राम : अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों से जुड़ी रही युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 12 जुलाई। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संस्कारों की शिक्षा देते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों, तीज-त्योहारों, ग्रंथों से जुड़ा रहना चाहिए। विमुख नहीं होना चाहिए। हमारी सनातन संस्कृति सबसे बेहतर है। भक्ति भाव रखकर हमें अपने आपको धर्म-कर्म से जोड़कर रखना चाहिए। यह बात उन्होंने श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि हमें अपने धर्म की रक्षा करनी चाहिए। जब हम धर्म की रक्षा करेंगे, तभी धर्म भी हमारी रक्षा करेगा। इस कहावत को कभी नहीं भूलना चाहिए कि धर्मो रक्षति रक्षित:।

कार्यक्रम में बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधुओं से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएं तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा यह नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए।

हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। यहां के अलावा जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज-1 में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब तक हनुमान चालीस पाठ की कुल संख्या 2 लाख 32 हजार 965 पार कर गई। बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है, जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु शब्द आता है। संत तुलसीदास हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। इस आयोजन में ओमप्रकाश कथूरिया डा. परमेश्वर अरोड़ा ने भी इसमें शिरकत की। सुरेंद्र कुमार खुल्लर, गजेंद्र गोंसाईं ने चालीसा का संगीतमयी पाठ किया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों से जुड़ी रही युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

किसी भी कीमत पर अपनी संस्कृति से विमुख नहीं होना चाहिए

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संस्कारों की शिक्षा देते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों, तीज-त्योहारों, ग्रंथों से जुड़ा रहना चाहिए। विमुख नहीं होना चाहिए। हमारी सनातन संस्कृति सबसे बेहतर है। भक्ति भाव रखकर हमें अपने आपको धर्म-कर्म से जोड़कर रखना चाहिए। यह बात उन्होंने श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि हमें अपने धर्म की रक्षा करनी चाहिए। जब हम धर्म की रक्षा करेंगे, तभी धर्म भी हमारी रक्षा करेगा। इस कहावत को कभी नहीं भूलना चाहिए कि धर्मो रक्षति रक्षित:। कार्यक्रम में बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधुओं से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएं तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा यह नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं।

हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए। हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। यहां के अलावा जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज-1 में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब तक हनुमान चालीस पाठ की कुल संख्या 2 लाख 32 हजार 965 पार कर गई। बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है, जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु शब्द आता है। संत तुलसीदास हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। इस आयोजन में ओमप्रकाश कथूरिया डा. परमेश्वर अरोड़ा ने भी इसमें शिरकत की। सुरेंद्र कुमार खुल्लर, गजेंद्र गोंसाईं ने चालीसा का संगीतमयी पाठ किया।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 2, 31, 000 हुई पार

बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम प्रतिदिन तरक्की की ओर अग्रसर हो रही है।

हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी : बोधराज सीकरी

भारत सारथी

गुरुग्राम। कल मंगलवार 12 तारीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56 गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुड़गांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुड़गांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा।

बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को बुद्धिहीन बताया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत में गुरु शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे।

बोध राज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसी दास ने क्यों लिखा, क्योंकि राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति है, उनकी तारीफ है, उनके गुणों का व्याख्यान है, परन्तु हनुमान चालीसा लिखते समय प्रारंभ में ही राम जी कैसे आ गए।

बरनऊं रघुवर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि।

क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान जी के स्वभाव को भलीभाँति जानते थे। जहां राम जी नहीं होते वहां हनुमान जी नहीं होते। अतः हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसी दास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों का जिक्र किया।

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया।।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सुमति कुमति सबके उर माहि।

ऐसे ही ज्ञान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रूपी आंख को अंजन यानी सुरमें की जरूरत है। तभी ज्ञान उजागर होता है। और सुरमे को अंजन भी कहते हैं। अंजन कौन देगा वह अंजनी पुत्र पवनसुत देंगे।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फ्लावर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रातः सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई।

बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएं तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा ये नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। अतः हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार पोशाक व अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में ना केवल नए गुड़गांव के लोग जुड़े बल्कि 30 से 35 लोग तो पुराने गुड़गांव से भी उपस्थित थे। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उन सभी का आभार प्रकट किया। आने वाले मंगलवार 18 जुलाई को न्यू आदर्श रामलीला क्लब अर्जुन नगर गुरुग्राम, जिसके प्रधान श्री गंगाधर खत्री और महा मंत्री श्री पवनपाल ग्रोवर है, उनकी ओर से आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में श्री ओम प्रकाश कथूरिया चेयरमैन ओम स्वीट्स और जानेमाने आयुर्वेदाचार्य समाज सेवी डॉक्टर परमेश्वर अरोड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

कल मंगलवार के आयोजन में मंदिर के प्रधान आर.एस खत्री, सुरेश कपासिया उप प्रधान, डॉ एस.के त्रिपाठी महामंत्री यजमान बने और पूजा अर्चना कर पाठ का शुभारंभ किया।

श्री एस. के खुल्लर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा, गुरुग्राम, श्री गजेंद्र गोसाईं जिन्होंने व्यास गद्दी से हनुमान चालीसा का संगीतमय तरीके से सुमधुर पाठ किया, श्री धर्मेंद्र बजाज, महामंत्री केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री रमेश कामरा, श्री किशोरी छुड़ेजा, श्री द्वारका नाथ मक्कड़, श्री ओमप्रकाश गाबा, श्री सतपाल नासा, श्री रमेश मुंजाल, श्री के.के अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, श्री सरदाना जी ब्रांड एंबेसडर सीनियर सिटीजन केसरी क्लब, श्री एम.डी कालरा, श्री सुरेंद्र गुलाटी एडवोकेट उपस्थित रहे।

सुशांत लोक से सर्वश्री राजीव छाबड़ा, सतीश चावला, रमेश नरूला, अजय भार्गव, और संजय बिष्ट हाजिर हुए।

महिला टीम से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती रचना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, श्रीमती विमला अरोड़ा, और श्रीमती मुंजाल व अन्य जन उपस्थित रहे।

ज्योति दर्पण
हिन्दी दैनिक
Website : www.jyotidarpan.com

हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी : बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। कल मंगलवार 12 तारीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुड़गांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुड़गांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा।

बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में ÷गुरु÷ शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को बुद्धिहीन बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत मे गुरु शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे।

बोध राज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसी दास ने क्यों लिखा, क्योंकि राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति है, उनकी तारीफ है, उनके गुणों का व्याख्यान है, परन्तु हनुमान चालीसा लिखते समय प्रारंभ में ही ÷राम÷ जी कैसे आ गए।

बरनऊं रघुवर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि।

क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान जी के स्वभाव को भलीभाँति जानते थे। जहां राम जी नहीं होते वहां

हनुमान जी नहीं होते। अतः हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसी दास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों का ज़िक्र किया।

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया।।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सुमति कुमति सबके उर माहि।

ऐसे ही ज्ञान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रूपी आंख को अंजन यानी सुरमे की जरूरत है। तभी ज्ञान उजागर होता है। और सुरमे को अंजन भी कहते हैं। अंजन कौन देगा वह अंजनी पुत्र पवनसुत देंगे।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रातः सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई।

बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएं तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा ये नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। अतः हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार पोशाक व अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में ना केवल नए गुड़गांव के लोग जुड़े बल्कि 30 से 35 लोग तो पुराने गुड़गांव से भी उपस्थित थे। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उन सभी का आभार प्रकट किया। आने वाले मंगलवार 18 जुलाई को न्यू आदर्श रामलीला क्लब अर्जुन नगर गुरुग्राम, जिसके प्रधान श्री गंगाधर खत्री और महा मंत्री श्री यशपाल ग्रोवर है, उनकी ओर से आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में श्री ओम प्रकाश कथूरिया चेयरमैन ओम स्वीट्स और जानेमाने आयुर्वेदाचार्य समाज सेवी डॉक्टर परमेश्वर अरोरा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

कल मंगलवार के आयोजन में मंदिर के प्रधान आर.एस खत्री , सुरेश कपासिया उप प्रधान, डॉ एस.के त्रिपाठी महामंत्री यजमान बने और पूजा अर्चना कर पाठ का शुभारंभ किया।

श्री एस. के खुल्लर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा, गुरुग्राम, श्री गजेंद्र गोसाईं जिन्होंने व्यास गद्दी से हनुमान चालीसा का संगीतमय तरीके से समधुर पाठ किया, श्री धर्मेंद्र बजाज, महामंत्री केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री रमेश कामरा, श्री किशोरी डुडेजा, श्री द्वारका नाथ मक्कड़, श्री ओमप्रकाश गाबा, श्री सतपाल नासा, श्री रमेश मुंजाल, श्री के.के अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, श्री सरदाना जी ब्रांड एंबेसडर सीनियर सिटीजन केसरी क्लब, श्री एम.डी कालरा, श्री सुरेंद्र गुलाटी एडवोकेट उपस्थित रहे।

सुशांत लोक से सर्वश्री राजीव छाबड़ा, सतीश चावला, रमेश नरूला, अजय भार्गव, और संजय बिष्ट हाजिर हुए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 62787/2014

रण टाइम्स

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 231000 हुई पार

■ बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम प्रतिदिन तरक्की की ओर अग्रसर हो रही है।

■ हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी:बोधराज सीकरी

अमन गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स)। कल मंगलवार 12 तारीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुड़गांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुड़गांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा। बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को बुद्धिहीन बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत मे गुरु शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे।

बोध राज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसी दास ने क्यों लिखा, क्योंकि राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति है, उनकी तारीफ है, उनके गुणों का व्याख्यान है, परन्तु हनुमान चालीसा लिखते समय प्रारभ में ही राम जी कैसे आ गए। बरनऊं रघुवर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि। क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान जी के स्वभाव को भलीभाँति जानते थे। जहां राम जी नहीं होते वहां हनुमान जी नहीं होते। अतः हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसी दास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों का ज़िक्र किया।

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया।।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सुमति कुमति सबके उर माहि।

ऐसे ही ज्ञान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रूपी आंख को अंजन यानी सुरमें की जरूरत है। तभी ज्ञान उजागर होता है। और सुरमे को अंजन भी कहते हैं। अंजन कौन देगा वह अंजनी पुत्र पवनसुत देंगे।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रातः सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई।

बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएं तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा ये नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे है। अतः हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार पोशाक व अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में ना केवल नए गुड़गांव के लोग जुड़े बल्कि 30 से 35 लोग तो पुराने गुड़गांव से भी उपस्थित थे। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उन सभी का आभार प्रकट किया। आने वाले मंगलवार 18 जुलाई को न्यू आदर्श रामलीला क्लब अर्जुन नगर गुरुग्राम, जिसके प्रधान श्री गंगाधर खत्री और मह्य मंत्री श्री यशपाल ग्रोवर है, उनकी ओर से आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में श्री ओम प्रकाश कथूरिया चेयरमैन ओम स्वीट्स और जानेमाने आयुर्वेदाचार्य समाज सेवी डॉक्टर परमेश्वर अरोरा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कल मंगलवार के आयोजन में मंदिर के प्रधान आर.एस खत्री , सुरेश कपासिया उप प्रधान, डॉ एस.के त्रिपाठी महामंत्री यजमान बने और पूजा अर्चना कर पाठ का शुभारंभ किया। श्री एस. के खुल्लर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा, गुरुग्राम, श्री गजेंद्र गोसाई जिन्होंने व्यास गद्दी से हनुमान चालीसा का संगीतमय तरीके से सुमधुर पाठ किया, श्री धर्मेंद्र बजाज, महामंत्री केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री रमेश कामरा, श्री किशोरी डुडेजा, श्री द्वारका नाथ मक्कड़, श्री ओमप्रकाश गाबा, श्री सतपाल नासा, श्री रमेश मुंजाल, श्री के.के अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, श्री सरदाना जी ब्रांड एंबेसडर सीनियर सिटीजन केसरी क्लब, श्री एम.डी कालरा, श्री सुरेंद्र गुलाटी एडवोकेट उपस्थित रहे।

पायनियर
नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर
हरियाणा, बृहस्पतिवार, 13 जुलाई, 2023

अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों से जुड़ी रही युवा पीढ़ीः बोधराज सीकरी

किसी भी कीमत पर अपनी संस्कृति से विमुख नहीं होना चाहिए

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संस्कारों की शिक्षा देते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों, तीज-त्योहारों, ग्रंथों से जुड़ा रहना चाहिए। विमुख नहीं होना चाहिए। हमारी सनातन संस्कृति सबसे बेहतर है। भक्ति भाव रखकर हमें अपने आपको धर्म-कर्म से जोड़कर रखना चाहिए। यह बात उन्होंने श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन के दौरान कही।

गुरुग्राम में आयोजित हनुमान चालीसा कार्यक्रम में भाग लेते बोधराज सीकरी व अन्य श्रद्धालु।

उन्होंने कहा कि हमें अपने धर्म की रक्षा करनी चाहिए। जब हम धर्म की रक्षा करेंगे, तभी धर्म भी हमारी रक्षा करेगा। इस कहावत को कभी नहीं भूलना चाहिए कि धर्मो रक्षति रक्षितः। कार्यक्रम में बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधुओं से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएं तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा यह नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए।

हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। वहां के अलावा जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। फ्लावर पार्क सुशान्त लोक फेज-1 में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब तक हनुमान चालीस पाठ की कुल संख्या 2 लाख 32 हजार 965 पार कर गई। बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है, जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु शब्द आता है। संत तुलसीदास हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करते थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। इस आयोजन में ओमप्रकाश कथूरिया डा. परमेश्वर अरोड़ा ने भी इसमें शिरकत की। सुरेंद्र कुमार खुल्लर, गजेंद्र गोंसाईं ने चालीसा का संगीतमयी पाठ किया।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलंदशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 231000 हुई पार

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। कल मंगलवार 12 तारीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुड़गांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुड़गांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा।

बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में ÷गुरु÷ शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें ÷गुरु÷ बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को ÷बुद्धिहीन÷ बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत मे ÷गुरु÷ शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे।

बोध राज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसी दास ने क्यों लिखा, क्योंकि राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति है, उनकी तारीफ है, उनके गुणों का व्याख्यान है, परन्तु हनुमान चालीसा लिखते समय प्रारभ में ही राम जी कैसे आ गए।

बरनऊं रघुवर बिमल जसु,
जो दायकु फल चारि।

क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान जी के स्वभाव को भलीभाँति जानते थे। जहां राम जी नहीं होते वहां हनुमान जी नहीं होते। अतः हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसी दास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों का जिक्र किया।

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया।।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सुमति कुमति सबके उर माहि।

ऐसे ही ज्ञान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रूपी आंख को अंजन यानी सुरमें की जरूरत है। तभी ज्ञान उजागर होता है। और सुरमे को अंजन भी कहते हैं। अंजन कौन देगा वह अंजनी पुत्र पवनसुत देंगे।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रातः सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई।

बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएं तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें।

हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी : बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 231000 हुई पार.

बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम प्रतिदिन तरक्की की ओर अग्रसर हो रही है।

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम मंगलवार 12 तारीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुड़गांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुड़गांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा। बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में "गुरु" शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें "गुरु" बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को "बुद्धिहीन" बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत मे "गुरु" शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे। बोध राज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसी दास ने क्यों लिखा, क्योंकि राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति है, उनकी तारीफ है, उनके गुणों का व्याख्यान है, परन्तु हनुमान चालीसा लिखते समय प्रारम्भ में ही "राम" जी कैसे आ गए।

बरनऊं रघुवर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि।"

क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान जी के स्वभाव को भलीभाँति जानते थे। जहां राम जी नहीं होते वहां हनुमान जी नहीं होते। अतः हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसी दास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों का जिक्र किया।

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया।।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सुमति कुमति सबके उर माहि।ए से ही ज्ञान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रूपी आंख को अंजन यानी सुरमें की जरूरत है। तभी ज्ञान उजागर होता है। और सुरमे को अंजन भी कहते हैं। अंजन कौन देगा वह अंजनी पुत्र पवनसुत देंगे।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5–5 बार पाठ किया और फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रातः सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5–5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई। बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएं तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा ये नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। अतः हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार पोशाक व अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए। इस कार्यक्रम में ना केवल नए गुड़गांव के लोग जुड़े बल्कि 30 से 35 लोग तो पुराने गुड़गांव से भी उपस्थित थे। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उन सभी का आभार प्रकट किया। आने वाले मंगलवार 18 जुलाई को न्यू आदर्श रामलीला क्लब अर्जुन नगर गुरुग्राम, जिसके प्रधान श्री गंगाधर खत्री और महा मंत्री श्री यशपाल ग्रोवर है, उनकी ओर से आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में श्री ओम प्रकाश कथूरिया चेयरमैन ओम स्वीट्स और जानेमाने आयुर्वेदाचार्य समाज सेवी डॉक्टर परमेश्वर अरोरा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। मंगलवार के आयोजन में मंदिर के प्रधान आर.एस खत्री , सुरेश कपासिया उप प्रधान, डॉ एस.के त्रिपाठी महामंत्री यजमान बने और पूजा अर्चना कर पाठ का शुभारंभ किया।

श्री एस. के खुल्लर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा, गुरुग्राम, श्री गजेंद्र गोसाई जिन्होंने व्यास गद्दी से हनुमान चालीसा का संगीतमय तरीके से सुमधुर पाठ किया, श्री धर्मेंद्र बजाज, महामंत्री केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री रमेश कामरा, श्री किशोरी डुडेजा, श्री द्वारका नाथ मक्कड़, श्री ओमप्रकाश गाबा, श्री सतपाल नासा, श्री रमेश मुंजाल, श्री के.के अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, श्री सरदाना जी ब्रांड एंबेसडर सीनियर सिटीजन केसरी क्लब, श्री एम. डी कालरा, श्री सुरेंद्र गुलाटी एडवोकेट उपस्थित रहे। सुशांत लोक से सर्वश्री राजीव छाबड़ा, सतीश चावला, रमेश नरूला, अजय भार्गव, और संजय बिष्ट हाजिर हुए। महिला टीम से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती रचना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, श्रीमती बिमला अरोड़ा, और श्रीमती मुंजाल व अन्य जन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 231000 हुई पार

बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम प्रतिदिन तरक्की की ओर अग्रसर हो रही है।

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। कल मंगलवार 12 तारीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुड़गांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुड़गांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा।

बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में "गुरु" शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें "गुरु" बनाना पड़ा। अत: हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को "बुद्धिहीन" बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत मे "गुरु" शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे।

बोध राज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसी दास ने क्यों लिखा, क्योंकि राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति है, उनकी तारीफ है, उनके गुणों का व्याख्यान है, परन्तु हनुमान चालीसा लिखते समय प्रारंभ में ही "राम" जी कैसे आ गए।

"बरनऊं रघुवर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि।"

क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान जी के स्वभाव को भलीभाँति जानते थे। जहां राम जी नहीं होते वहां हनुमान जी नहीं होते। अत: हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसी दास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों का जिक्र किया।

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया।।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सुमति कुमति सबके उर माहि।

ऐसे ही ज्ञान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रूपी आंख को अंजन यानी सुरमें की जरूरत है। तभी ज्ञान उजागर होता है। और सुरमे को अंजन भी कहते हैं। अंजन कौन देगा वह अंजनी पुत्र पवनसुत देंगे।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अत: 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फत्तापर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रात: सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई। बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएं तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा ये नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। अत: हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार पोशाक व अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में न केवल नए गुड़गांव के लोग जुड़े बल्कि 30 से 35 लोग तो पुराने गुड़गांव से भी उपस्थित थे। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उन सभी का आभार प्रकट किया। आने वाले मंगलवार 18 जुलाई को न्यू आदर्श रामलीला क्लब अर्जुन नगर गुरुग्राम, जिसके प्रधान श्री गंगाधर खत्री और महा मंत्री श्री चशपाल ग्रोवर है, उनकी ओर से आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में श्री ओम प्रकाश कथूरिया चेयरमैन ओम स्वीट्स और जानेमाने आयुर्वेदाचार्य समाज सेवी डॉक्टर परमेश्वर अरोरा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

कल मंगलवार के आयोजन में मंदिर के प्रधान आर.एस खत्री , सुरेश कपासिया उप प्रधान, डॉ एस.के त्रिपाठी महामंत्री यजमान बने और पूजा अर्चना कर पाठ का शुभारंभ किया। श्री एस. के खुल्लर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा, गुरुग्राम, श्री गजेंद्र गोसाईं जिन्होंने व्यास गद्दी से हनुमान चालीसा का संगीतमय तरीके से सुमधुर पाठ किया, श्री धर्मेंद्र बजाज, महामंत्री केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री रमेश कामरा, श्री किशोरी डुडेजा, श्री द्वारका नाथ मक्कड़, श्री ओमप्रकाश गाबा, श्री सतपाल नासा, श्री रमेश मुंजाल, श्री के.के अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, श्री सरदाना जी आंड ऐंबेसडर सीनियर सिटीजन केसरी क्लब, श्री एम.डी कालरा, श्री सुरेंद्र गुलाटी एडवोकेट उपस्थित रहे। सुशांत लोक से सर्वश्री राजीव छाबड़ा, सतीश चावला, रमेश नरूला, अजय भार्गव, और संजय बिष्ट हाजिर हुए। महिला टीम से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती रचना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, श्रीमती विमला अरोड़ा, और श्रीमती मुंजाल व अन्य जन उपस्थित रहे।

सबसे तेज... सबसे आगे

Postal No : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

हरियाणा की आवाज

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 15 अंक : 29 | भिवानी गुरूवार 13 जुलाई 2023 | मूल्य : 3.00 रूपये | कुल पृष्ठ : 8

8:08 AM

अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों से जुड़ी रही युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

किसी भी कीमत पर अपनी संस्कृति से विमुख नहीं होना चाहिए

गुरुग्राम(राकेश)। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संस्कारों की शिक्षा देते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों, तीज-त्योहारों, ग्रंथों से जुड़ा रहना चाहिए। विमुख नहीं होना चाहिए। हमारी सनातन संस्कृति सबसे बेहतर है। भक्ति भाव रखकर हमें अपने आपको धर्म-कर्म से जोड़कर रखना चाहिए। यह बात उन्होंने श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि हमें अपने धर्म की रक्षा करनी चाहिए। जब हम धर्म की रक्षा करेंगे, तभी धर्म भी हमारी रक्षा करेगा। इस कहावत को कभी नहीं भूलना चाहिए कि धर्मो रक्षति रक्षितः। कार्यक्रम में बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधुओं से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएं तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज

के युवा यह नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए। हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। यहां के अलावा जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज-1 में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब तक हनुमान चालीस पाठ की कुल संख्या 2 लाख 32 हजार 965 पार कर गई। बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है, जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु शब्द आता है। संत तुलसीदास हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। इस आयोजन में ओमप्रकाश कथूरिया डा. परमेश्वर अरोड़ा ने भी इसमें शिरकत की। सुरेंद्र कुमार खुल्लर, गजेंद्र गोंसाईं ने चालीसा का संगीतमय पाठ किया।

8:08 AM

RNI No. UPHIN/2013/53868

बुलंद खोज

सम्पादक- संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

जीवन को भवसागर से पार करने की अचूक संजीवनी है हनुमान चालीसा - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा चलाई जा रही हनुमान चालीसा मुहिम के तहत सैक्टर 56 स्थित श्रीसनातन धर्म मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। बोधराज सीकरी ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को हनुमान जी की महिमा से अवगत कराया और कहा कि हनुमान चालीसा जीवन को भगसागर से पार करने की अचूक संजीवनी है।

हनुमान चालीसा ग्रंथ के प्रारंभ व अंत में गुरु शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। अत- हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को बुद्धिहीन बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत मे गुरु शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के कई स्लोकों का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि वे सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए आगे आएं। इस प्रकार के आयोजनों में शामिल होकर समाज की सेवा में सहभागिता निभाएं। सनातन धर्म के सभी ग्रंथ हमें संस्कार, सभ्यता और प्रेमभाव से रहने का संदेश देते हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। आयोजन में यजमान के रुप में मॅदिर समिति के प्रधान आरएस खत्री, उप प्रधान सुरेश कपासिया, महामंत्री डा. एसके त्रिपाठी शामिल हुए। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित जामपुर शिव मंदिर में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और सुशांत लोक फेस वन स्थित फ्लायर पार्क में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब पाठों की संख्या 2 लाख 32 हजार 965 पार कर गई, जोकि गत मंगलवार को 2 लाख 28 हजार 815 थी। उन्होंने कहा कि आयोजन में 4150 पाठ किए गए। बोधराज सीकरी ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे मंदिर परिसर में प्रवेश करने से पूर्व अपनी वेशभूषा का विशेष ध्यान रखें। क्योंकि मंदिर में हम भगवान की आराधना करने जाते हैं जो केवल स्वच्छ मन से की जाती है। यदि वस्त्र भी स्वच्छ एवं व्यवस्थित होंगे तो ईश्वर की उपासना बेहतर तरीके से हो सकेगी। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई को अर्जुन नगर स्थित न्यू आदर्श रामलीला क्लब में हनुमान चालीसा का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य।

इस कार्यक्रम में समाजसेवी ओमप्रकाश कथूरिया, आयुर्वेदाचार्य डा. परमेश्वर अरोड़ा, क्लब के प्रधान गंगाधर खत्री और महामंत्री यशपाल ग्रोवर शामिल रहेंगे। सैक्टर 15 में भी कार्यक्रम का आयोजन होगा। इस अवसर पर केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, गजेंद्र गोसाई, आर्य केंद्रीय प्रतिनिधि सभा के महामंत्री धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, किशोरीलाल डूडेजा, द्वारकानाथ मक्कड़, ओपी गाबा, सतपाल नासा, रमेश मुंजाल, केके अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब गुरुग्राम के ब्रांड एंबेसडर नंदकिशोर सरदाना, एमडी कालरा, सुरेंद्र गुलाटी एडवोकेट, राजीव छाबड़ा, सतीश चावला, रमेश नरूला, अजय भार्गव, संजय बिष्ट, ज्योत्सना बजाज,ज्योति वर्मा, रचना बजाज, पुष्पा नासा, बिमला अरोड़ा, श्रीमती मुंजाल आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय दैनिक

जगत क्रान्ति

जीन्द

हरियाणा का सर्वमान्य लोकप्रिय हिन्दी दैनिक | E-paper : http://jagatkranti.co.in | E-mail: jagatkrantijind@gmail.com | जीन्द (हरियाणा) से प्रकाशित

भवसागर से पार उतारने की संजीवनी हनुमान चालीसा : सीकरी

जगत क्रान्ति ⏭ एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा चलाई जा रही हनुमान चालीसा मुहिम के तहत सैक्टर 56 स्थित श्रीसनातन धर्म मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। बोधराज सीकरी ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को हनुमान जी की महिमा से अवगत कराया और कहा कि हनुमान चालीसा जीवन को भगसागर से पार करने की अचूक संजीवनी है। हनुमान चालीसा ग्रंथ के प्रारंभ व अंत में गुरु शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा।

अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को बुद्धिहीन बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत मे गुरु शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के कई स्लोकों का विस्तृत वर्णन किया।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। इस अवसर पर केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, गजेंद्र गोसाई, आर्य केंद्रीय प्रतिनिधि सभा के महामंत्री धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, किशोरीलाल डूडेजा, द्वारकानाथ मक्कड़, ओपी गाबा, सतपाल नासा, रमेश मुंजाल, केके अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब गुरुग्राम के ब्रांड एंबेसडर नंदकिशोर सरदाना, पुष्पा नासा, बिमला अरोड़ा, मुंजाल आदि उपस्थित रहे।

Bharat Sarathi
A Complete News Website

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 2, 31, 000 हुई पार.

बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम प्रतिदिन तरक्की की ओर अग्रसर हो रही है।

हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। कल मंगलवार 12 तारीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56 गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुड़गांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुड़गांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा।

बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में "गुरु" शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें "गुरु" बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को "बुद्धिहीन" बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी ख़त्म करवा दिए। अंत में "गुरु" शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे।

बोध राज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसी दास ने क्यों लिखा, क्योंकि राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति है, उनकी तारीफ है, उनके गुणों का व्याख्यान है, परन्तु हनुमान चालीसा लिखते समय प्रारंभ में ही "राम" जी कैसे आ गए।

"बरनऊं रघुवर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि"

क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान जी के स्वभाव को भलीभांति जानते थे। जहा राम जी नहीं होते वहां हनुमान जी नहीं होते। अतः हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसी दास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों का जिक्र किया।

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया॥

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सुमति कुमति सबके उर माहि।

ऐसे ही ज्ञान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रूपी आंख को अंजन यानी सुरमें की जरूरत है। तभी ज्ञान उजागर होता है। और सुरमे को अंजन भी कहते है। अंजन कौन देगा वह अंजनी पुत्र पवनसुत देंगे।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्यौहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फ्लावर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रातः सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई।

बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएं तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा ये नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे है। अतः हमें मंदिर जाते समय वहा की मर्यादा और वहा की परिस्थितियों के अनुसार पोशाक व अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में ना केवल नए गुड़गांव के लोग जुड़े बल्कि 30 से 35 लोग तो पुराने गुड़गांव से भी उपस्थित थे। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उन सभी का आभार प्रकट किया। आने वाले मंगलवार 19 जुलाई को न्यू आदर्श रामलीला क्लब अर्जुन नगर गुरुग्राम, जिसके प्रधान श्री गंगाधर शास्त्री और महा मंत्री श्री यशपाल गोवर है, उनकी ओर से आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में श्री ओम प्रकाश कथूरिया चेयरमैन ओम स्वीट्स और जानेमाने आयुर्वेदाचार्य समाज सेवी डॉक्टर परमेश्वर अरोड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

कल मंगलवार के आयोजन में मंदिर के प्रधान आर.एस खत्री , सुरेश कपासिया उप प्रधान, डॉ एस.के त्रिपाठी महामंत्री यजमान बने और पूजा अर्चना कर पाठ का शुभारंभ किया।

श्री एस. के खुल्लर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा, गुरुग्राम, श्री गजेंद्र गोसाईं जिन्होंने व्यास गद्दी से हनुमान चालीसा का संगीतमय तरीके से सुमधुर पाठ किया, श्री धर्मेंद्र बजाज, महामंत्री केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री रमेश कामरा, श्री किशोरी डुडेजा, श्री द्वारका नाथ मक्कड़, श्री ओमप्रकाश गाबा, श्री सतपाल नासा, श्री रमेश मुंजाल, श्री के.के अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, श्री सरदाना जी ब्रांड एंबेसडर सीनियर सिटीजन केसरी क्लब, श्री एम.डी कालरा, श्री सुरेंद्र गुलाटी एडवोकेट उपस्थित रहे।

सुशांत लोक से सर्वश्री राजीव छाबड़ा, सतीश चावला, रमेश नरुला, अजय भार्गव, और संजय बिष्ट हाजिर हुए।

महिला टीम से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती रचना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, श्रीमती विमला अरोड़ा, और श्रीमती मुंजाल व अन्य जन उपस्थित रहे।